RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

मानव विकास

अध्याय-3 | भाग-2



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 मानव विकास के स्तंभ

2 मानव विकास के उपागम




विकास
जल
रेलमार्ग सड़कमार्ग
नगर
लाभ से
लाभ
वृद्धि
विकास
गुणात्मक अवधारणा
विस्तृत अवधारणा
संकीर्ण अवधारणा
मात्रात्मक अवधारणा
संकुचित अवधारणा
संकीर्ण
संकीर्ण
मूल्य सापेक्ष
मूल्य निरपेक्ष
mg

मानव विकास → केन्द्र → मानव

HDI (मानव विकास सूचकांक)

(पाक. महबूब उल हक + (भारतीय अमर्त्यसेन)
(स्वर 1990)

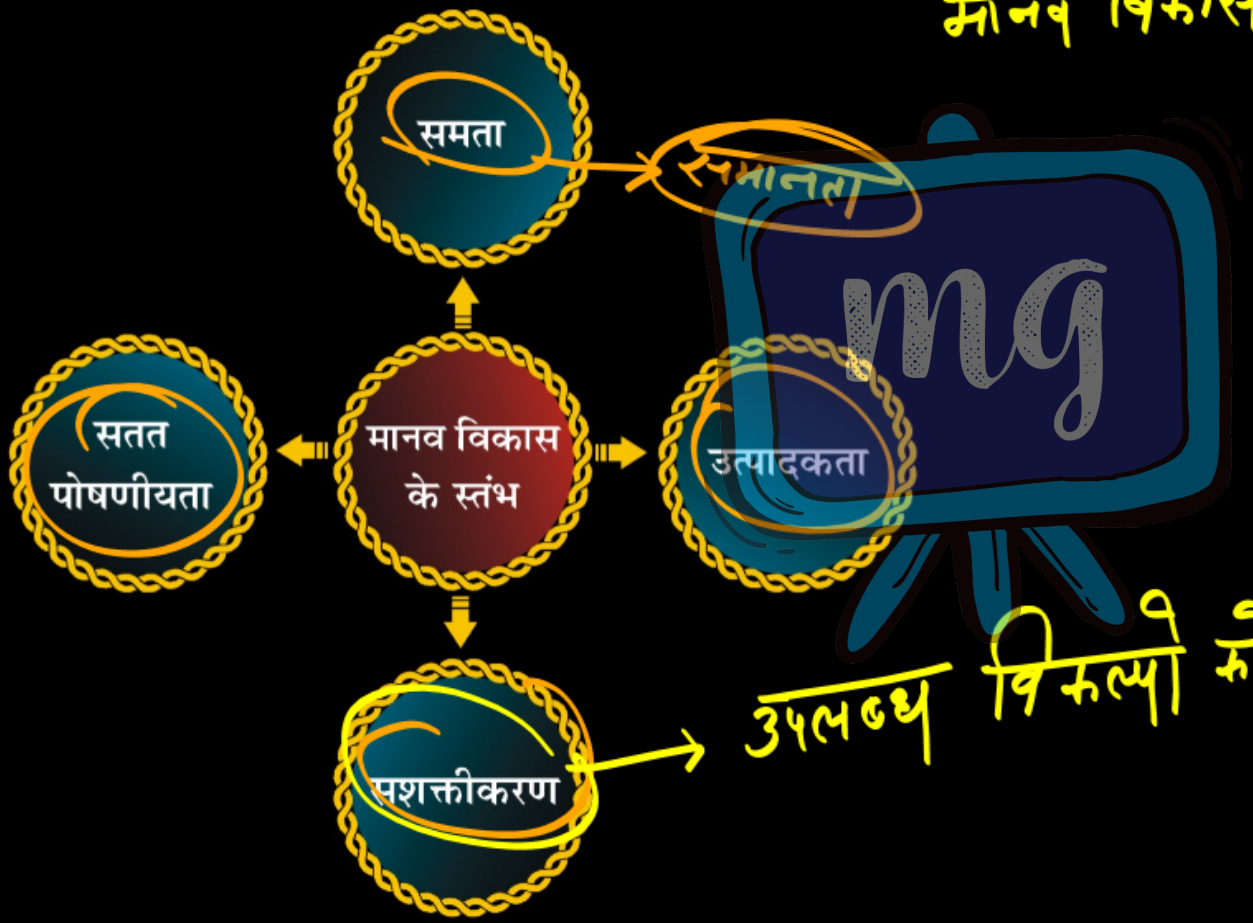
जारी (UNDP) ⇒ संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO)

(1) साक्षरता (शिक्षा) (2) स्वास्थ्य (जीवन प्रत्याशा) (3) संसाधनों तक पहुँच (जीवन स्तर)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास के स्तम्भ - (7)



उपलब्ध विकल्पों को चुनने की शक्ति।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समता

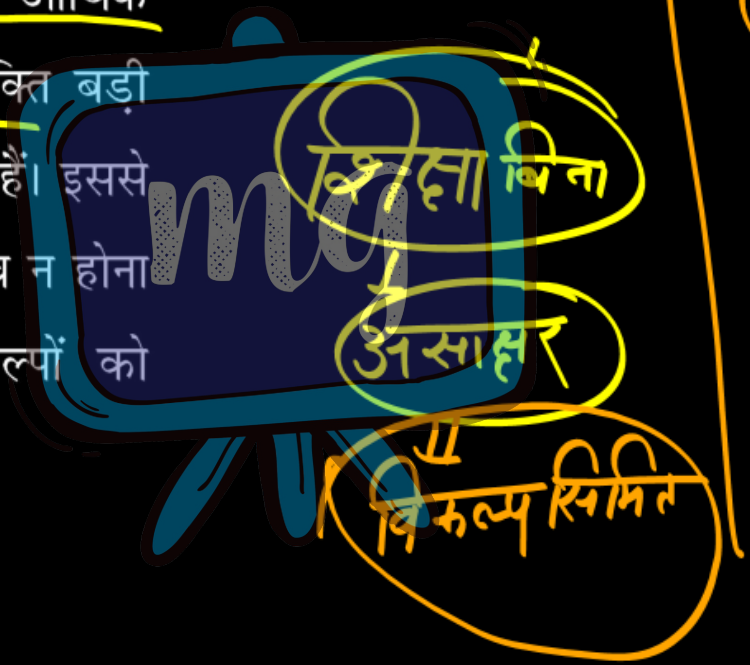
समता का आशय प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुँच की व्यवस्था करना है। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय और भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिए।

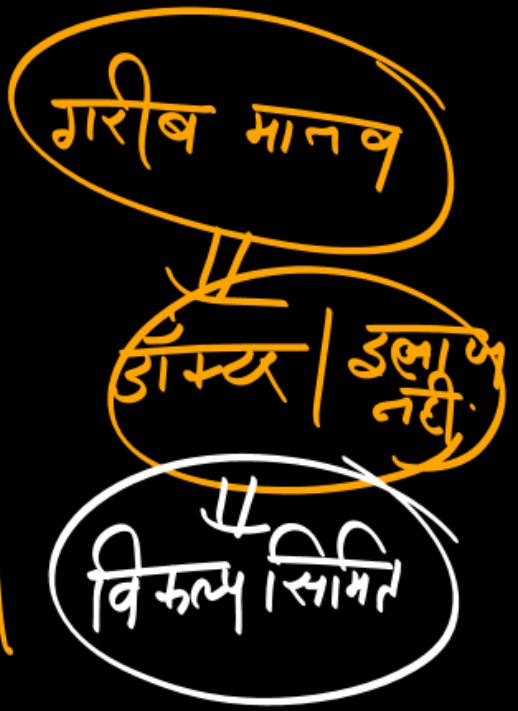
लिंग, प्रजाति, आय
बिना भेदभाव
समान पहुँच।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत में स्त्रियाँ और सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए वर्गों के व्यक्ति बड़ी संख्या में विद्यालय से विरत होते हैं। इससे पता चलता है कि शिक्षा तक पहुँच न होना किस प्रकार इन वर्गों के विकल्पों को सीमित करता है।





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सतत पोषणीय

- सतत पोषणीय मानव विकास के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले।
- समस्त पर्यावरणीय वित्तीय एवं मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रख कर करना चाहिए।

वर्तमान में उपलब्ध संसाधन वर्तमान पीढ़ी इस प्रकार से उपयोग करे कि आने वाली पीढ़ी भी उसका उपयोग कर सके।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इन संसाधनों में से किसी भी एक का दुरुपयोग भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों को कम करेगा।
- अत: प्रत्येक पीढ़ी को अपनी भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों और विकल्पों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना चाहिए।



जल, पट्रोल-डीजल, गैस
= दुरुपयोग
= भावी पीढ़ी के संसाधनों में कमी होगी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्पादकता

- उत्पादकता का अर्थ मानव श्रम उत्पादकता अथवा मानव कार्य के संदर्भ में उत्पादकता है।
- लोगों में क्षमताओं का निर्माण करके ऐसी उत्पादकता में निरंतर वृद्धि की जानी चाहिए।
- अंततः जन-समुदाय ही राष्ट्रों के वास्तविक धन होते हैं।
- इस प्रकार उनके ज्ञान को बढ़ाने के प्रयास अथवा उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने से उनकी कार्यक्षमता बेहतर होगी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सशक्तीकरण

सशक्तीकरण

अपने विकल्पों को चुनाव की शक्ति होती है

पिछड़े समूह → सशक्तीकरण बनाने की आवश्यकता

सशक्तीकरण का अर्थ है-अपने विकल्प चुनने के लिए शक्ति प्राप्त करना। ऐसी शक्ति बढ़ती हुई स्वतंत्रता और क्षमता से आती है। लोगों को सशक्त करने के लिए सुशासन एवं लोकोन्मुखी नीतियों की आवश्यकता होती है। सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए समूहों के सशक्तीकरण का विशेष महत्त्व है।

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



① मानव विकास के बिन्दु

① शिक्षा (साक्षरता)
② स्वास्थ्य
③ संसाधनों तक पहुँच

② मानव विकास स्तम्भ - ⑤

① समता
② सशक्तीकरण
③ सतत पोषणीयता
④ उत्पादकता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आय उपागम

यह मानव विकास के सबसे पुराने उपागमों में से एक है। इसमें मानव विकास को आय के साथ जोड़ कर देखा जाता है। विचार यह है कि आय का स्तर किसी व्यक्ति द्वारा भोगी जा रही स्वतंत्रता के स्तर को परिलक्षित करता है। आय का स्तर ऊँचा होने पर, मानव विकास का स्तर भी ऊँचा होगा।

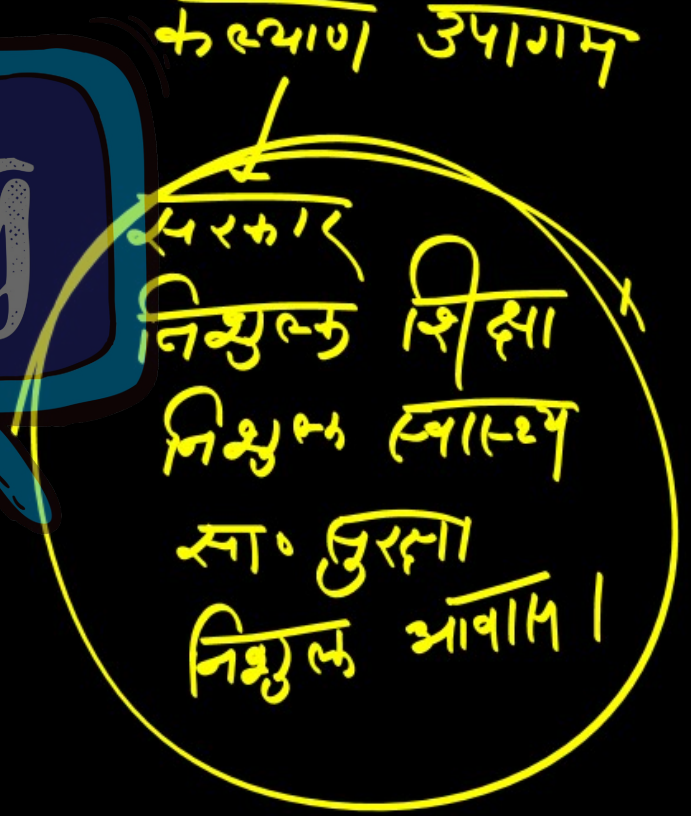
आय उपागम
↳ सबसे पुराना उपागम।
आय स्तर ⊕
⇓
मानव विकास ⊕

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कल्याण उपागम

- यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख-साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है। लोग विकास में प्रतिभागी नहीं हैं किंतु वे केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्ता हैं। सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विश्व की सर्वोच्च संस्था
⇓
संयुक्त राष्ट्र संघ
(UNO)
↓
सामाजिक व आर्थिक परिषद्
अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO)
⇓

आधारभूत आवश्यकता उपागम

- इस उपागम को मूल रूप से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने प्रस्तावित किया था। इसमें छः न्यूनतम आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास की पहचान की गई थी। इसमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है और पारिभाषित वर्गों की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्षमता उपागम

- इस उपागम का संबंध प्रो. अमर्त्य सेन से है। संसाधनों तक पहुँच के क्षेत्रों में मानव क्षमताओं का निर्माण बढ़ते मानव विकास की कुंजी है।

→ भारतीय अर्थशास्त्री (बिहार पुरस्कार)

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का मापन

- मानव विकास सूचकांक और गरीबी सूचकांक यू.एन.डी.पी. द्वारा प्रयुक्त मानव विकास मापन के दो महत्त्वपूर्ण सूचकांक हैं।
- मानव विकास सूचकांक (HDI) स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निष्पादन के आधार पर देशों का क्रम तैयार करता है।

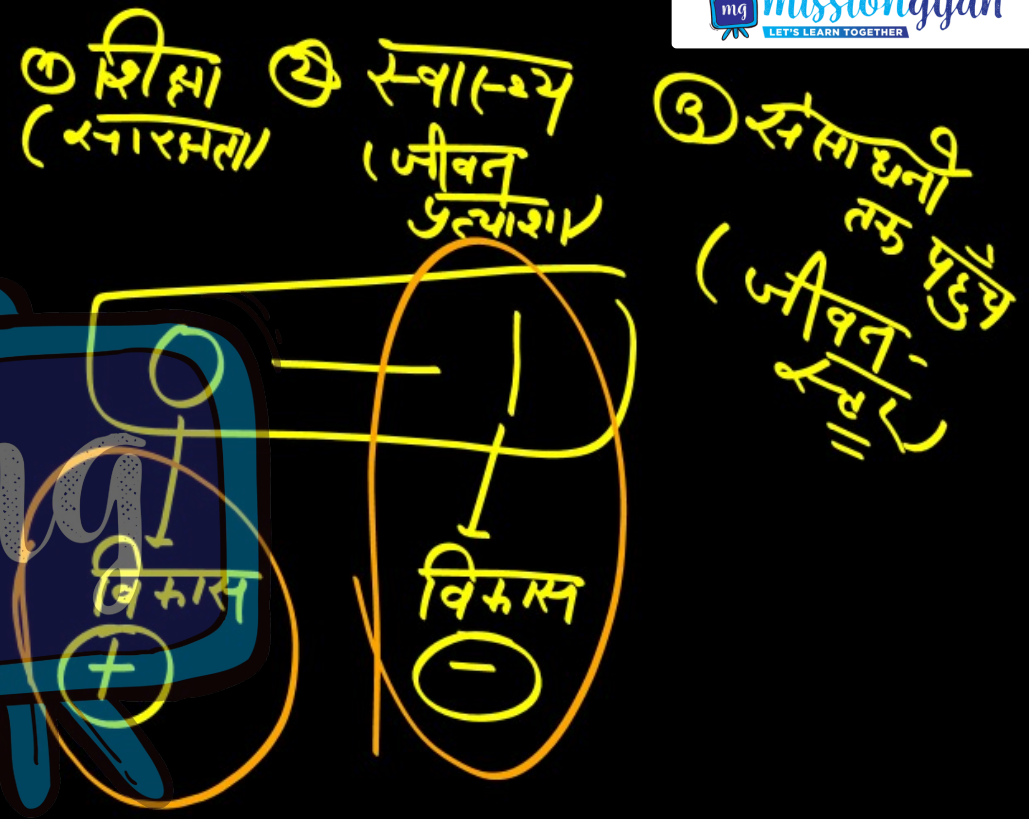
HDI

HDI → 1990 प्रारम्भ।
(महबूब उल हक (पाक))
अमर्त्य सेन (भारत)
||
UNDP → द्वारा जारी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह क्रम 0 से 1 के बीच के स्कोर पर आधारित होता है जो एक देश, मानव विकास के महत्त्वपूर्ण सूचकों में अपने रिकार्ड से प्राप्त करता है।
- स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए चुना गया सूचक जन्म के समय जीवन-प्रत्याशा है। उच्चतर जीवन-प्रत्याशा का अर्थ है कि लोगों के पास अधिक दीर्घ और अधिक स्वस्थ जीवन जीने के ज्यादा अवसर हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शिक्षा

- प्रौढ़ साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात ज्ञान तक पहुँच को प्रदर्शित करते हैं। पढ़ और लिख सकने वाले वयस्कों की संख्या और विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या दर्शाती है कि किसी देश विशेष में ज्ञान तक पहुँच कितनी आसान अथवा कठिन है।
- संसाधनों तक पहुँच की क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलरों में) के संदर्भ में मापा जाता है।

जीवन स्तर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

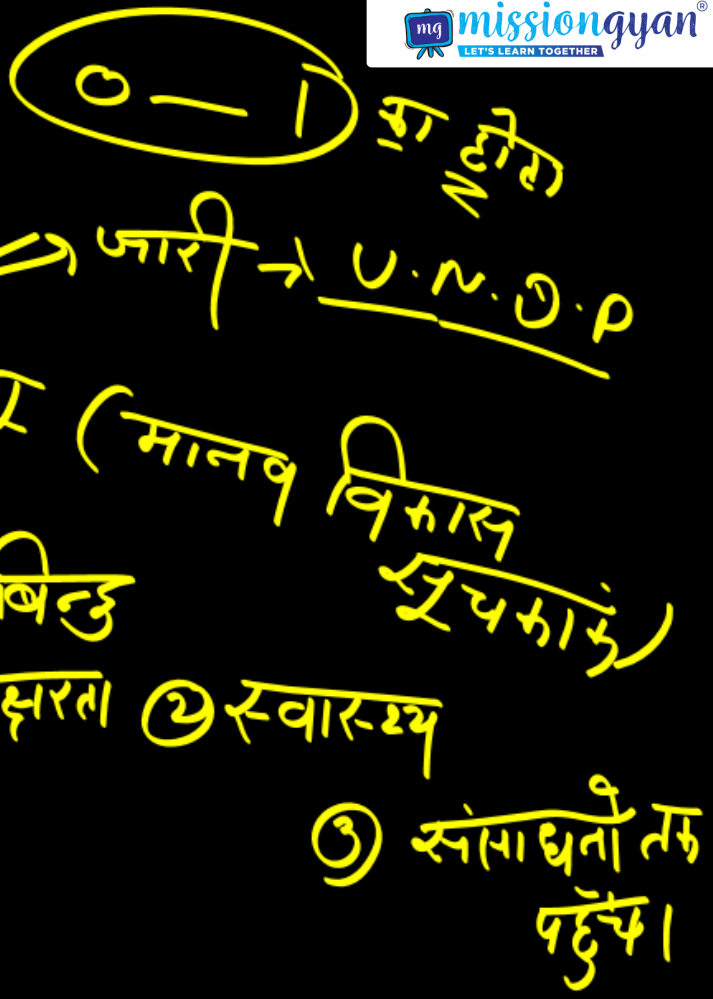
- इनमें से प्रत्येक आयाम को 1/3 भारिता दी जाती है। मानव विकास सूचकांक इन सभी आयामों को दिए गए भारों का कुल योग होता है।
- मानव विकास सूचकांक मानव विकास में प्राप्तियों का मापन करता है। यह प्रदर्शित करता है कि मानव विकास के प्रमुख क्षेत्रों मे क्या उपलब्धि हुई है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव गरीबी सूचकांक

- मानव गरीबी सूचकांक मानव विकास सूचकांक संबंधित है यह सूचकांक मानव विकास में कमी मापता है। यह एक बिना आय वाला माप है।
- किसी प्रदेश के मानव विकास में कमी दर्शाने के लिए 40 वर्ष की आयु तक जीवित न रह पाने की संभाव्यता, प्रौढ़ निरक्षरता दर, स्वच्छ जल तक पहुँच न रखने वाले लोगों की संख्या और अल्पभार वाले छोटे बच्चों की संख्या, सभी इसमें गिने जाते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ

- मानव विकास की अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ रुचिकर हैं। प्रदेश के आकार और प्रति व्यक्ति आय का मानव विकास से प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। प्राय: मानव विकास में बड़े देशों की अपेक्षा छोटे देशों का कार्य बेहतर रहा है। इसी प्रकार मानव विकास में अपेक्षाकृत निर्धन राष्ट्रों का कोटि-क्रम धनी पड़ोसियों से ऊँचा रहा है।

मानव विकास का स्तर	मानव विकास सूचकांक का स्कोर	देशों की संख्या
अति उच्च	0.800 से ऊपर	66
उच्च	0.700 से 0.799 के बीच	53
मध्यम	0.550 से 0.699 के बीच	37
निम्न	0.549 से नीचे	33

मानव विकास का उच्च स्तर

- इस समूह के देश शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं जो एक महत्वपूर्ण सरकारी प्राथमिकता है और साथ ही सामाजिक क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का मध्यम स्तर

- इनमें से कई देश पूर्व उपनिवेश थे और राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ उच्च सामाजिक विविधता का सामना कर रहे हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास का निम्न स्तर

- ये देश राजनीतिक उथल पुथल, सामाजिक अस्थिरता, गृहयुद्ध, अकाल या बीमारियों की उच्च घटनाओं से गुजर रहे हैं।

